NEXT IAS

दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

समय: 45 मिनट

दिनाँक: 09-10-2024

विषय सूची

2024 वन घोषणा मूल्यांकन रिपोर्ट

फेयर वर्क इंडिया रेटिंग्स 2024

भौतिकी में 2024 का नोबेल पुरस्कार

भारत का कपड़ा उद्योग बेहतर प्रदर्शन करने के लिए क्यों संघर्ष कर रहा है?

संक्षिप्त समाचार

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

भारत ने ट्रेकोमा को खत्म कर दिया: WHO

पेट्रोलियम अवसंरचना के लिए भारत-नेपाल समझौता

नि-क्षय पोषण योजना (NPY)

अटल पेंशन योजना (APY)

भारत पर USCIRF की रिपोर्ट

प्रमुख वायुमंडलीय चेरेनकोव प्रयोग (MACE) वेधशाला

हमसफर पॉलिसी

प्लांकटन ब्लूम

सिलिकोसिस

70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

2024 वन घोषणा मूल्यांकन रिपोर्ट

सन्दर्भ

- 2024 वन घोषणा आकलन रिपोर्ट, "वनों में आग: 2030 वन लक्ष्यों पर प्रगति पर नज़र," जारी की गई।

परिचय

- अधिकांश देशों ने 2021 में संयुक्त राष्ट्र Cop26 जलवायु शिखर सम्मेलन में 2030 तक शून्य वनों की कटाई की प्रतिज्ञा का समर्थन किया।
- अनुसंधान और नागरिक समाज संगठनों के गठबंधन द्वारा तैयार 2024 वन घोषणा मूल्यांकन ने 2018 और 2020 के बीच औसत वनों की कटाई की आधार रेखा का उपयोग करके लक्ष्य की ओर प्रगति का मूल्यांकन किया।
- इसने पाया कि प्रगति काफी सीमा तकमार्ग से विचलित गई थी, 2023 में वनों की कटाई का स्तर शून्य की ओर स्थिर प्रगति की तुलना में लगभग 50% अधिक था।

प्रमुख निष्कर्ष

- **लक्ष्य प्राप्ति में कमियाँ:** पिछले वर्ष का लक्ष्य वैश्विक वनों की कटाई को अधिकतम 4.4 मिलियन हेक्टेयर (10.9 मिलियन एकड़) तक लाना था।
  - वैश्विक वनों की कटाई अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक स्तरों से 45 प्रतिशत अधिक है
- लगभग 96 प्रतिशत वनों की कटाई उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में हुई, और लगभग सभी क्षेत्र अपने वार्षिक लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहे
- उष्णकटिबंधीय वनों की कटाई के परिणामस्वरूप 2023 में लगभग 3.7 बिलियन मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड-समतुल्य उत्सर्जन हुआ।
- **वनों की हानि:** 2023 में विश्व में 6.37 मिलियन हेक्टेयर वन नष्ट हो जाएंगे, यह हानि 2030 तक वनों की कटाई को समाप्त करने के लक्ष्य से 45 प्रतिशत अधिक है।
  - कार्बन भंडारण और जैव विविधता की रक्षा के लिए आवश्यक प्राथमिक उष्णकटिबंधीय वन, 2023 में 3.7 मिलियन हेक्टेयर समाप्त हो गए।
  - इसने वनों की कटाई और वन क्षति को रोकने के वैश्विक प्रयासों में गंभीर समस्याओं का संकेत दिया।
- **वन क्षति:** पूर्ण विनाश के बिना वन क्षति वनों की कटाई से 10 गुना अधिक खराब है, जो 2022 में 62.6 मिलियन हेक्टेयर को प्रभावित करेगी।
- **मुख्य चालक:** कृषि, सड़क निर्माण, आग और वाणिज्यिक कटाई अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में वनों की कटाई के मुख्य चालक थे।
- **सकारात्मक प्रगति:** ब्राजील ने अपने वनों की कटाई को पिछले स्तरों से 9 प्रतिशत कम कर दिया है, जो दर्शाता है कि महत्वपूर्ण प्रगति संभव है।
  - अन्य देश जिन्होंने 2030 वनों की कटाई के लक्ष्य की ओर प्रगति की है, उनमें ऑस्ट्रेलिया, कोलंबिया, पैराग्वे, वेनेजुएला और वियतनाम शामिल हैं।
- रिपोर्ट में प्रमुख जैव विविधता क्षेत्रों (KBAs) की हानि पर भी बल दिया गया है, जहां 2023 में 1.4 मिलियन हेक्टेयर से अधिक वन नष्ट हो गए।
  - इन क्षेत्रों की सुरक्षा वन्यजीवों और उन पर निर्भर स्वदेशी समुदायों के लिए महत्वपूर्ण है।

- जंगल की आग एक बड़ा खतरा है, जिसका मुख्य कारण कृषि के लिए जानबूझकर भूमि को साफ करना है।
  - 2001 से, 138 मिलियन हेक्टेयर वृक्ष क्षेत्र आग के कारण नष्ट हो चुके हैं, जिनमें से लगभग एक तिहाई 2019 और 2023 के बीच हुआ है।
- रिपोर्ट में वन संरक्षण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वैश्विक अभिनेताओं के लिए कदमों की रूपरेखा दी गई है, जिसमें शामिल हैं:
  - वन संरक्षण प्रयासों के लिए पर्याप्त धन सुनिश्चित करना।
  - वनों की कटाई का कारण बनने वाले उत्पादों की मांग को कम करना।
  - वन संरक्षण में स्वदेशी और स्थानीय समुदायों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानना।

आगे की राह

- अंततः, 2024 वन घोषणा मूल्यांकन में उल्लिखित चुनौतियाँ इस बात को रेखांकित करती हैं कि वन संरक्षण लक्ष्यों को प्राप्त करना और सतत आर्थिक विकास को आगे बढ़ाना परस्पर अनन्य नहीं हैं।
- लेकिन सफलता सरकारों, उद्योग एवं नागरिक समाज की वनों को प्राथमिकता देने और प्रत्येक स्तर पर सतत प्रथाओं को एकीकृत करने की इच्छा पर निर्भर करती है।
- 2030 से पहले बस कुछ ही वर्ष बचे हैं, इसलिए अब कार्रवाई करने का समय आ गया है।

Source: DTE

फेयर वर्क इंडिया रेटिंग्स 2024

सन्दर्भ

- 'फेयरवर्क इंडिया रेटिंग्स 2024: प्लेटफॉर्म इकोनॉमी में श्रम मानक' शीर्षक वाली रिपोर्ट हाल ही में जारी की गई।

परिचय

- यह ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के सहयोग से फेयरवर्क इंडिया टीम द्वारा आयोजित इस तरह का लगातार छठा वार्षिक अध्ययन है।
- यह भारत में डिजिटल श्रम प्लेटफार्मों पर प्लेटफॉर्म श्रमिकों की कार्य स्थितियों का विश्लेषण करता है।
  - प्लेटफ़ॉर्म श्रमिक वे हैं जिनका काम ऑनलाइन सॉफ़्टवेयर ऐप या डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर आधारित है।

प्रमुख विशेषताएं

- फेयर वर्क ने पाँच सिद्धांतों के आधार पर प्लेटफ़ॉर्म का मूल्यांकन किया: उचित वेतन, उचित शर्तें, उचित अनुबंध, उचित प्रबंधन और उचित प्रतिनिधित्व।
- अध्ययन में भारत में घरेलू और व्यक्तिगत देखभाल, लॉजिस्टिक्स, खाद्य वितरण और परिवहन जैसे क्षेत्रों में स्थान-आधारित सेवाएँ प्रदान करने वाले 11 प्लेटफ़ॉर्म का मूल्यांकन किया गया है।
  - इनमें अमेज़न फ्लेक्स, बिगबास्केट, ब्लूस्मार्ट, फ्लिपकार्ट, ओला, पोर्टर, स्विगी, उबर, अर्बन कंपनी, ज़ेप्टो और ज़ोमैटो शामिल हैं।
- केवल बिगबास्केट और अर्बन कंपनी को न्यूनतम वेतन नीति लागू करने के लिए फेयर पे के तहत पहला अंक दिया गया। किसी भी प्लेटफ़ॉर्म को फेयर पे के तहत दूसरा अंक नहीं मिला, जिसके लिए प्लेटफ़ॉर्म को कार्य से संबंधित लागतों के बाद स्थानीय जीवन-यापन वेतन सुनिश्चित करने और प्रतिबद्ध होने की आवश्यकता होती है।

- सामूहिक निकाय या ट्रेड यूनियन के माध्यम से प्रतिनिधित्व कार्य में निष्पक्षता का एक महत्वपूर्ण आयाम है।
    - पिछले छह वर्षों में देश भर में प्लेटफ़ॉर्म वर्कर सामूहिकीकरण में वृद्धि के बावजूद, किसी भी प्लेटफ़ॉर्म से श्रमिकों के सामूहिक निकाय को मान्यता देने की इच्छा दिखाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं प्राप्त हुए।

गिग वर्कर्स कौन हैं?

- गैर-मानक या गिग कार्य में मानक, दीर्घकालिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर आय अर्जित करने वाली गतिविधियाँ शामिल हैं।
- यह पूर्णकालिक स्थायी कर्मचारियों के बजाय स्वतंत्र ठेकेदारों और फ्रीलांसरों द्वारा भरे गए अस्थायी और अंशकालिक पदों पर बहुत अधिक निर्भर करता है।
- यह शब्द संगीत की दुनिया से लिया गया है, जहाँ कलाकार "गिग" बुक करते हैं जो विभिन्न स्थानों पर एकल या अल्पकालिक जुड़ाव होते हैं।
- गिग इकॉनमी अल्पकालिक सेवाएँ या संपत्ति-साझाकरण प्रदान करने के लिए फ्रीलांसरों को ग्राहकों से जोड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करती है।
    - उदाहरणों में राइड-हेलिंग ऐप, फ़ूड डिलीवरी ऐप और हॉलिडे रेंटल ऐप शामिल हैं।

भारत और गिग अर्थव्यवस्था

- 2020 में, 7.7 मिलियन कर्मचारी गिग अर्थव्यवस्था में लगे हुए थे।
- 2029-30 तक गिग कार्यबल के 23.5 मिलियन कर्मचारियों तक बढ़ने की उम्मीद है।
- वर्तमान में लगभग 47% गिग कार्य मध्यम कुशल रोजगारों में, लगभग 22% उच्च कुशल और लगभग 31% कम कुशल रोजगारों में है।

गिग वर्कर्स में वृद्धि के कारण

- **महामारी के बाद:** 2020 के कोविड-19 महामारी के दौरान यह प्रवृत्ति और तेज़ हो गई, क्योंकि गिग वर्कर्स ने घर बैठे उपभोक्ताओं को ज़रूरत की चीज़ें पहुँचाईं और जिनकी नौकरियाँ चली गईं, वे आय के लिए पार्ट-टाइम और कॉन्ट्रैक्ट वर्क करने लगे।

- **कहीं से भी कार्य करने की आज़ादी:** इस तरह के पद स्वतंत्र कॉन्ट्रैक्ट वर्क की सुविधा देते हैं, जिनमें से कई में फ्रीलांसर को ऑफ़िस आने की ज़रूरत नहीं होती।
- **प्रौद्योगिकी और इंटरनेट का उदय:** तेज़ इंटरनेट और स्मार्टफ़ोन के उदय ने कहीं से भी आसानी से कार्य करना सुलभ बना दिया है।
- **छोटे संगठनों के लिए सुविधाजनक:** जो नियोक्ता सभी काम करने के लिए पूर्णकालिक कर्मचारियों को रखने का जोखिम नहीं उठा सकते, वे प्रायः व्यस्त समय या विशिष्ट परियोजनाओं की देखभाल के लिए अंशकालिक या अस्थायी कर्मचारियों को रखते हैं।
- **नियोक्ता को लाभ:** नियोक्ता को संबंधित लाभ, जैसे कि चिकित्सा बीमा, भविष्य निधि और वर्ष के अंत में बोनस प्रदान करने की आवश्यकता नहीं होती है, जो उनके लिए केवल यूनिट के आधार पर कार्य के लिए भुगतान करना बेहतर विकल्प बनाता है।

चुनौतियाँ

- **कार्य-जीवन संतुलन:** कुछ कर्मचारियों के लिए, कार्य करने के लिए गिग का लचीलापन वास्तव में कार्य-जीवन संतुलन, नींद के पैटर्न और दैनिक जीवन की गतिविधियों को बाधित कर सकता है।
- **पूर्णकालिक कर्मचारियों को प्रतिस्थापित कर सकते हैं:** कंपनी द्वारा आवश्यक पूर्णकालिक कर्मचारियों की संख्या कम हो सकती है क्योंकि फ्रीलांस कर्मचारी कार्य संभालते हैं।
- **कोई नियमित रोजगार लाभ नहीं:** कई नियोक्ता स्वास्थ्य कवरेज और भुगतान किए गए अवकाश समय जैसे लाभों का भुगतान करने से बचकर पैसे बचाते हैं।
    - प्लेटफ़ॉर्म कंपनी के साथ कोई औपचारिक रोजगार संबंध नहीं है और सामान्यतः अल्पकालिक अनुबंधों में कोई कर्मचारी लाभ नहीं होता है।

गिग वर्कर्स के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदम

- **सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020:** सरकार ने सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तैयार की है, जिसमें जीवन और विकलांगता कवर, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा आदि से संबंधित मामलों पर गिग श्रमिकों और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लिए उपयुक्त सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ तैयार करने की परिकल्पना की गई है।
    - हालाँकि, संहिता के तहत ये प्रावधान लागू नहीं हुए हैं।
- **ई-श्रम पोर्टल:** सरकार ने गिग श्रमिकों और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों सहित असंगठित श्रमिकों के व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस के पंजीकरण और निर्माण के लिए 2021 में ई-श्रम पोर्टल भी लॉन्च किया है।
    - यह किसी व्यक्ति को स्व-घोषणा के आधार पर पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत करने की अनुमति देता है, जो लगभग 400 व्यवसायों में फैला हुआ है।

Source: TH

भौतिकी में 2024 का नोबेल पुरस्कार

समाचार में

- जॉन हॉपफील्ड और जेफ्री हिंटन को कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क (ANNs) का उपयोग करके मशीन लर्निंग में उनके मूलभूत योगदान के लिए 2024 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार दिया गया।
    - कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क (ANNs), जो परस्पर जुड़े नोड्स के माध्यम से डेटा को संसाधित करते हैं, ChatGPT जैसे AI ऐप की लोकप्रियता के कारण प्रसिद्ध हो गए हैं।

भौतिकी में नोबेल पुरस्कार

- अल्फ्रेड नोबेल ने 1895 में अपनी वसीयत में भौतिकी का पहली बार उल्लेख किया था, जो उस समय इसकी उच्च स्थिति को दर्शाता है।
- 19वीं सदी के उत्तरार्ध में, भौतिकी को सबसे प्रमुख विज्ञान माना जाता था, नोबेल ने संभवतः भौतिकी से अपने स्वयं के शोध संबंधों को देखते हुए इस दृष्टिकोण को साझा किया था।
- भौतिकी में नोबेल पुरस्कार स्टॉकहोम, स्वीडन में रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा प्रदान किया जाता है।

जॉन हॉपफील्ड का योगदान:

- प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जॉन हॉपफील्ड ने हॉपफील्ड नेटवर्क विकसित किया, जो एक प्रकार का आवर्ती तंत्रिका नेटवर्क है जो हेबियन लर्निंग के आधार पर सूचना को संसाधित करता है।
- यह छवियों और पैटर्न के भंडारण और पुनर्निर्माण को सक्षम बनाता है।
- हॉपफील्ड नेटवर्क चुंबकीय परमाणुओं के भौतिकी से प्रेरित है, जिसमें न्यूरॉन्स पैटर्न को पूरा करने या छवियों को शोर से मुक्त करने के लिए परमाणुओं के ऊर्जा-न्यूनतम व्यवहार की नकल करते हैं।
- उनके 1982 के पेपर ने न्यूरल सर्किट मॉडलिंग में सांख्यिकीय भौतिकी का उपयोग करने की नींव रखी।
- हॉपफील्ड नेटवर्क अपनी समग्र ऊर्जा को कम करके, विकृत या अपूर्ण इनपुट की तुलना सहेजे गए पैटर्न से करके पैटर्न ढूंढता है।

जेफ्री हिंटन का योगदान:

- टोरंटो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जेफ्री हिंटन ने संज्ञानात्मक कार्यों के लिए बोल्ट्ज़मैन मशीन को अनुकूलित किया और प्रतिबंधित बोल्ट्ज़मैन मशीन (RBM) बनाई।
- यह डेटा में विशेषताओं को पहचानने के लिए सांख्यिकीय भौतिकी का उपयोग करता है और पैटर्न को पहचानकर तथा जिस डेटा पर इसे प्रशिक्षित किया गया था, उसके नए उदाहरण बनाकर सीखता है, जो मशीन लर्निंग के वर्तमान विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- उनके कार्य ने डीप लर्निंग ANN के विकास को जन्म दिया, जिसमें जटिल कार्यों को करने में सक्षम न्यूरॉन्स की परतें हैं।

अनुप्रयोग

- हॉपफील्ड और हिंटन के कार्य ने मशीन लर्निंग के क्षेत्र को काफी आगे बढ़ाया है, जिसमें सामग्री विकास सहित व्यापक अनुप्रयोग शामिल हैं।
- उनके नवाचारों ने भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, चिकित्सा, वित्त और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति को सक्षम किया है।

AI से संबंधित चिंताएं

- हिंटन ने AI के बारे में चिंता व्यक्त की, विशेषतौर पर इस बात पर कि ChatGPT जैसे उपकरण इंटरनेट पर गलत जानकारी में वृद्धि कर सकते हैं, जिससे लोगों के लिए सच्चाई को पहचानना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने AI द्वारा मानव रोजगारों को छीन लेने की चिंता पर भी प्रकाश डाला।

क्या आप जानते हैं?

- 2023 में, यह पुरस्कार पियरे एगोस्टिनी, फ़ेरेनक क्राउज़ और ऐनी एल'हुइलियर को एटोफ़िज़िक्स में उनके योगदान के लिए दिया गया।

- 2024 का फिजियोलॉजी/मेडिसिन पुरस्कार विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को माइक्रोआरएनए की खोज के लिए दिया गया।

Source: IE

भारत का कपड़ा उद्योग बेहतर प्रदर्शन करने के लिए क्यों संघर्ष कर रहा है?

सन्दर्भ

- भारत के कपड़ा उद्योग को चुनौतीपूर्ण दौर का सामना करना पड़ रहा है, जिससे 2030 तक 350 बिलियन डॉलर प्रतिवर्ष का लक्ष्य प्राप्त करने में संदेह उत्पन्न हो गया है।

भारत का वस्त्र उद्योग

- **घरेलू व्यापार में हिस्सेदारी:** भारत में घरेलू परिधान और कपड़ा उद्योग देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 2.3%, औद्योगिक उत्पादन में 13% और निर्यात में 12% का योगदान देता है।
- **वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी:** भारत का कपड़ा और परिधान के वैश्विक व्यापार में 4% हिस्सा है।
- **निर्यात:** वित्त वर्ष 22 में, भारत वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा कपड़ा निर्यातक था, जिसकी हिस्सेदारी 5.4% थी।
- **कच्चे माल का उत्पादन:** भारत विश्व में कपास और जूट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। भारत विश्व में रेशम का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी है और विश्व का 95% हाथ से बुना कपड़ा भारत से आता है।
- **रोजगार सृजन:** यह उद्योग देश का दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है जो 45 मिलियन लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और संबद्ध क्षेत्र में 100 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करता है।
- **क्षेत्र:** आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, हरियाणा, झारखंड और गुजरात भारत में शीर्ष कपड़ा और परिधान विनिर्माण राज्य हैं।

कपड़ा उद्योग के समक्ष चुनौतियाँ

- **महंगा कच्चा माल:** कपड़े के आयात के लिए हाल ही में जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों ने आवश्यक कच्चे माल को लाने की प्रक्रिया को जटिल बना दिया है।
    - यह परिदृश्य निर्यातकों को महंगी घरेलू आपूर्ति का उपयोग करने के लिए मजबूर करता है, जिससे भारतीय वस्त्र अत्यधिक महंगे हो जाते हैं और वैश्विक खरीदारों के लिए आकर्षक नहीं होते हैं जो विशिष्ट कपड़े स्रोतों को प्राथमिकता देते हैं।
- **कपास की कीमत में उतार-चढ़ाव:** भारत कपास का एक प्रमुख उत्पादक और उपभोक्ता है। कपास की कीमतों में उतार-चढ़ाव कपड़ा निर्माताओं के लिए उत्पादन की लागत को प्रभावित करता है।
- **बांग्लादेश से आयात:** बांग्लादेश के पास भारतीय बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच होने के कारण, वे वस्त्र भारत में 15-20% कम कीमत पर उपलब्ध हैं।
    - जब कपड़े का आयात किया जाता है, तो भारत में कपास, कताई, बुनाई, कॉम्पैक्टिंग और प्रसंस्करण क्षेत्रों में रोजगार समाप्त हो जाते हैं।
- **अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा:** भारतीय और बांग्लादेशी परिधानों के बीच कुल लागत का अंतर लगभग 2-3% होना चाहिए, लेकिन बांग्लादेश में श्रम लागत लगभग 30% कम है।
    - 2013 और 2023 के बीच, वियतनाम से परिधान निर्यात लगभग 82% बढ़कर 33.4 बिलियन डॉलर हो गया है, जबकि बांग्लादेश से लगभग 70% बढ़कर 43.8 बिलियन डॉलर हो गया है।

- **बुनियादी ढाँचे की बाधाएँ:** अपर्याप्त परिवहन प्रणाली, बिजली की कमी और पुरानी तकनीक सहित बुनियादी ढाँचे की चुनौतियाँ कपड़ा निर्माण प्रक्रिया की दक्षता में बाधा डालती हैं।
- **प्रौद्योगिकी उन्नयन:** भारत में कई कपड़ा इकाइयाँ अभी भी पुरानी मशीनरी और तकनीक का उपयोग करती हैं।

वस्त्र उद्योग के विकास के लिए भारत सरकार की पहल

- **संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (ATUFS):** विनिर्माण में "शून्य प्रभाव और शून्य दोष" के साथ "मेक इन इंडिया" के माध्यम से रोजगार सृजन और निर्यात को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए, ऋण से जुड़ी पूंजी निवेश सब्सिडी (CIS) प्रदान करने के लिए 2016 में ATUFS शुरू किया गया था।
- **वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए योजना (SAMARTH):** वस्त्र क्षेत्र में कुशल जनशक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, "कौशल भारत" पहल के व्यापक नीति दिशानिर्देशों के तहत योजना तैयार की गई थी।
- **राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन:** रणनीतिक क्षेत्रों सहित देश के विभिन्न प्रमुख मिशनों, कार्यक्रमों में तकनीकी वस्त्रों के उपयोग को विकसित करने के लिए 4 वर्ष(2020-21 से 2023-24) की अवधि के लिए मिशन को मंजूरी दी गई थी।
- **उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजना -** देश में मानव निर्मित फाइबर (MMF) परिधान, एमएमएफ फैब्रिक और तकनीकी वस्त्रों के उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए वस्त्रों के लिए पीएलआई योजना।
- **PM-MITRA:** विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ ग्रीनफील्ड/ब्राउनफील्ड साइटों में 7 PM मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान (PM MITRA) पार्कों की स्थापना के माध्यम से रोजगार सृजन को बढ़ावा देना।
- **एकीकृत वस्त्र पार्क (SITP) के लिए योजना:** SITP को सामान्य सुविधाओं, उपयोगिताओं और सेवाओं सहित बुनियादी ढांचे का समर्थन प्रदान करके कपड़ा उद्योग समूहों को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका लक्ष्य कपड़ा निर्माण के लिए अधिक संगठित और कुशल दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है।
- **एकीकृत कौशल विकास योजना (ISDS):** ISDS उद्योग की श्रम चुनौतियों का समाधान करने के लिए कपड़ा क्षेत्र में कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।
    - इसका उद्देश्य श्रमिकों को प्रशिक्षण प्रदान करना और उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना है, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान मिलता है।

आगे की राह

- उद्योग को मांग में सुधार की उम्मीद है, लेकिन उद्योग को केंद्र और राज्य स्तर पर नीतिगत हस्तक्षेप और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के लिए समग्र उपायों की तत्काल आवश्यकता है।
- इसलिए, 'मेक इन इंडिया' अभियान की तर्ज पर, सरकार को भारतीय परिधानों की खरीद को प्रोत्साहित करना चाहिए।
- हालांकि आयात की वर्तमान मात्रा घरेलू बाजार के समग्र आकार की तुलना में बहुत अधिक नहीं है, लेकिन इन ऑर्डरों को स्थानीय निर्माताओं को देने से उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

Source: TH

संक्षिप्त समाचार

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

सन्दर्भ

- आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) में अल्जाइमर, डिमेंशिया और अन्य बीमारियों के उपचार को कवर किए जाने की संभावना है, जो मुख्य रूप से बुजुर्गों को प्रभावित करती हैं।

आयुष्मान भारत योजना

- इसे भारत सरकार द्वारा सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने के उद्देश्य से 2018 में लॉन्च किया गया था। इसके दो प्रमुख घटक हैं;
  - आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY)
  - आयुष्मान आरोग्य मंदिर

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY)

- AB PM-JAY विश्व की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित स्वास्थ्य आश्वासन योजना है, जो द्वितीयक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर प्रदान करती है।
- **कवरेज:** इसमें अस्पताल में भर्ती होने से पहले के 3 दिन और अस्पताल में भर्ती होने के बाद के 15 दिन जैसे निदान और दवाइयों का खर्च शामिल है।
  - लाभार्थी भारत में किसी भी सूचीबद्ध सार्वजनिक या निजी अस्पताल में जाकर कैशलेस उपचार प्राप्त कर सकता है।
  - परिवार के आकार, आयु या लिंग पर कोई प्रतिबंध नहीं है।
- **पात्रता:** परिवारों का समावेश क्रमशः ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011 (SECC 2011) के अभाव और व्यावसायिक मानदंडों पर आधारित है।
  - इस संख्या में वे परिवार भी शामिल हैं जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (RSBY) में शामिल थे, लेकिन SECC 2011 डेटाबेस में उपस्थित नहीं थे।
- **वित्त पोषण:** इस योजना के लिए वित्त पोषण केंद्र और राज्य द्वारा 60:40 के अनुपात में साझा किया जाता है।
  - हालाँकि, पूर्वोत्तर राज्यों, हिमालयी राज्यों (जैसे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश) और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए यह अनुपात 90:10 है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर

- इस घटक के तहत 1,50,000 स्वास्थ्य एवं आरोग्य केन्द्रों (AB-HWCs) का निर्माण किया गया, जिनका नाम बदलकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर रखा गया।
- इन्हें उप स्वास्थ्य केन्द्रों (SHCs) और ग्रामीण एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (PHCs) को उन्नत करके बनाया गया है, ताकि स्वास्थ्य सेवा को समुदाय के पास लाया जा सके।
- इसका उद्देश्य समुदाय में रोगियों को अनुवर्ती देखभाल के प्रावधान के साथ-साथ व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा (CPHC) प्रदान करना है।
- इन केन्द्रों के माध्यम से आवश्यक दवाओं और निदान के प्रावधान के साथ-साथ आवश्यक

स्वास्थ्य सेवाएं समुदाय के करीब प्रदान की जाती हैं।

Source: ET

भारत ने ट्रेकोमा को खत्म कर दिया: WHO

सन्दर्भ

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने घोषणा की है कि भारत ने ट्रैकोमा को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में समाप्त कर दिया है, और इस उपलब्धि को प्राप्त करने वाला वह दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र का तीसरा देश बन गया है।

ट्रेकोमा के बारे में:

- यह आंखों की बीमारी है जो क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस नामक जीवाणु के संक्रमण से होती है।
- यह संक्रामक है, संक्रमित लोगों की आंखों, पलकों, नाक या गले के स्राव के संपर्क में आने से फैलता है, अगर इसका इलाज न किया जाए तो यह अपरिवर्तनीय अंधेपन का कारण बनता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ट्रैकोमा को एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय बीमारी करार दिया है और इसके अनुमान के अनुसार विश्व भर में लगभग 150 मिलियन लोग ट्रैकोमा से प्रभावित हैं तथा उनमें से 6 मिलियन अंधे हैं या उन्हें दृष्टि संबंधी जटिलताओं का खतरा है।

भारत का प्रयास

- 1950-60 के दौरान ट्रेकोमा देश में अंधेपन के प्रमुख कारणों में से एक था।
- भारत सरकार ने राष्ट्रीय ट्रेकोमा नियंत्रण कार्यक्रम (1963) शुरू किया और बाद में ट्रेकोमा नियंत्रण प्रयासों को भारत के राष्ट्रीय अंधेपन नियंत्रण कार्यक्रम (NPCB) में एकीकृत किया गया।
- WHO-SAFE रणनीति को पूरे देश में लागू किया गया जिसमें SAFE का अर्थ है सर्जरी अपनाना, एंटीबायोटिक्स, चेहरे की स्वच्छता, पर्यावरण की सफाई आदि।
- परिणामस्वरूप, 2017 में, भारत को संक्रामक ट्रेकोमा से मुक्त घोषित किया गया। हालाँकि, 2019 से 2024 तक भारत के सभी जिलों में ट्रेकोमा के मामलों की निगरानी जारी रही।

Source: PIB

पेट्रोलियम अवसंरचना के लिए भारत-नेपाल समझौता

सन्दर्भ

- नेपाल और भारत नेपाल में पेट्रोलियम अवसंरचना के विकास के संबंध में बिजनेस टू बिजनेस (B2B) रूपरेखा समझौते पर पहुंच गए हैं।

परिचय

- भारत के सिलीगुड़ी से नेपाल के चराली तक 50 किलोमीटर लंबी पेट्रोलियम पाइपलाइन बनाई जाएगी। इसी तरह, चराली में एक स्मार्ट ग्रीनफील्ड टर्मिनल बनाया जाएगा।
- भारत सरकार नेपाल में 62 किलोमीटर लंबी पेट्रोलियम पाइपलाइन बनाने के लिए अनुदान देगी।
- इसी तरह, भारत सरकार की तकनीकी सहायता से नेपाल में 91,900 किलोलीटर क्षमता वाला एक स्मार्ट ग्रीनफील्ड टर्मिनल बनाया जाएगा।

- **महत्व:** यह समझौता भारत-नेपाल ऊर्जा साझेदारी में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन माना जाता है।
  - भारत से भूमि से जुड़े नेपाल तक पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन सुविधाजनक होगा, जिससे नेपाल ऑयल कॉर्पोरेशन की लागत में काफी कमी आएगी।
  - बुनियादी ढांचा हानि और पर्यावरणीय जोखिमों को कम करेगा, सड़क की भीड़ को रोकेगा और बाढ़ तथा भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान नेपाल की ऊर्जा सुरक्षा का समर्थन करेगा।

Source: AIR

नि-क्षय पोषण योजना(NPY)

सन्दर्भ

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने क्षय रोग (TB) के रोगियों के लिए नि-क्षय पोषण योजना (NPY) के अंतर्गत मासिक पोषण सहायता को वर्तमान 500 रुपये प्रति माह/रोगी से बढ़ाकर पूरे उपचार अवधि के लिए 1,000 रुपये/माह/रोगी कर दिया है।

नि-क्षय पोषण योजना (NPY) क्या है?

- यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के तहत एक केंद्र प्रायोजित योजना है, और सभी अधिसूचित टीबी रोगी इस योजना के लाभार्थी हैं।
- इसे 2018 में लॉन्च किया गया था और इसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।
- मौद्रिक सहायता योजना से पोषण संबंधी सुधार में सहायता मिलने, उपचार और परिणामों के प्रति प्रतिक्रिया में सुधार होने और भारत में टीबी के कारण होने वाली मृत्यु दर में कमी आने की उम्मीद है।

क्या आप जानते हैं?

- भारत में टीबी का सबसे ज़्यादा भार है और प्रत्येक वर्ष अनुमानतः 4,80,000 भारतीयों की इससे मृत्यु होती है।
- यद्यपि टीबी उन्मूलन विश्व द्वारा 2030 तक प्राप्त किए जाने वाले सतत विकास लक्ष्यों में से एक है, लेकिन भारत ने इसके लिए 2025 का लक्ष्य निर्धारित किया है।

Source: PIB

अटल पेंशन योजना(APY)

समाचार में

- अटल पेंशन योजना (APY) के तहत कुल नामांकन 7 करोड़ को पार कर गया है, वित्त वर्ष 2024-25 में 56 लाख से अधिक नामांकन होंगे।

अटल पेंशन योजना (APY) के बारे में

- इसे 9 मई 2015 को लॉन्च किया गया था और इसका उद्देश्य गरीबों, वंचितों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।
- इसे राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) के समग्र प्रशासनिक और संस्थागत ढांचे के तहत पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) द्वारा प्रशासित किया जाता है।

- यह अभिदाता को जीवनपर्यंत गारंटीकृत पेंशन प्रदान करता है, उनकी मृत्यु के बाद पति/पत्नी को भी वही पेंशन प्रदान करता है, तथा दोनों की मृत्यु के बाद नामांकित व्यक्ति को संचित धनराशि लौटा देता है।
- **पात्रता:** 18 से 40 वर्ष की आयु के बैंक खाताधारकों के लिए खुला है जो आयकरदाता नहीं हैं, तथा चयनित पेंशन राशि के आधार पर अंशदान अलग-अलग होगा।
    - अंशदाताओं को उनके अंशदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु के बाद 1000, 2000, 3000, 4000 या 5000 रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन की गारंटी मिलती है।

- **प्रगति:** यह योजना, जो अब अपने 10वें वर्ष में है, समाज के कमजोर वर्गों को पेंशन कवरेज के अंतर्गत लाने पर केंद्रित है, जिसे बैंकों और SLBCs/UTLBCs के प्रयासों से समर्थन मिल रहा है।

Source: PIB

भारत पर USCIRF की रिपोर्ट

समाचार में

- अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर संयुक्त राज्य आयोग (USCIRF) ने भारत पर एक देश अद्यतन जारी किया

USCIRF:

- यह 1998 के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम (IRFA) के तहत बनाई गई एक स्वतंत्र अमेरिकी संघीय एजेंसी है।
- यह मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 18 जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर वैश्विक धार्मिक स्वतंत्रता की निगरानी करती है।
- यह अमेरिकी विदेश विभाग के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता कार्यालय (IRF) से अलग है, जो अमेरिकी विदेश नीति को प्रभावित करने वाली अधिक औपचारिक रिपोर्ट जारी करता है।
- **कार्य:** यह अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा संभावित पदनाम के लिए देशों को सूचीबद्ध करने वाली वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करता है, जिन्हें "विशेष चिंता वाले देश (CPC)" या विशेष निगरानी सूची (SWL) के रूप में नामित किया जा सकता है।
    - CPC के रूप में नामित देश संभावित प्रतिबंधों सहित नीतिगत कार्रवाइयों के अधीन हैं।

USCIRF's 2024 भारत पर अपडेट:

- इसने धार्मिक स्वतंत्रता की बिगड़ती स्थिति पर प्रकाश डाला, जिसमें हत्याएं, लिंचिंग, अल्पसंख्यक व्यक्तियों की गिरफ़्तारी और पूजा स्थलों को ध्वस्त करना शामिल है।
- यह नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, धर्मांतरण विरोधी कानून और गोहत्या कानून जैसे भेदभावपूर्ण कानूनों का हवाला देते हुए भारत में धार्मिक स्वतंत्रता के लिए "बिगड़ती स्थिति" का दावा करता है।

- यह भारत को CPC के रूप में नामित करने की सिफारिश करता है।

भारत की प्रतिक्रिया:

- विदेश मंत्रालय (MEA) ने रिपोर्ट को खारिज करते हुए USCIRF को एक "पक्षपाती संगठन" करार दिया जिसका "राजनीतिक एजेंडा" है।
- इसने रिपोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है और भारत के बारे में एक प्रेरित कहानी को बढ़ावा दिया गया है।

Source: TH

प्रमुख वायुमंडलीय चेरेनकोव प्रयोग (MACE) वेधशाला

समाचार में

- प्रमुख वायुमंडलीय चेरेनकोव प्रयोग (MACE) वेधशाला का उद्घाटन हान्ले, लद्दाख में किया गया है।

MACE वेधशाला

- यह एशिया में सबसे बड़ा इमेजिंग चेरेनकोव टेलीस्कोप है।
- यह विश्व का सबसे ऊंचा चेरेनकोव टेलीस्कोप है, जो ~4,300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।
- यह ECIL और अन्य भारतीय उद्योग भागीदारों के समर्थन से BARC द्वारा निर्मित एक स्वदेशी परियोजना है।
- **महत्व:** यह टेलीस्कोप ब्रह्मांडीय-किरण अनुसंधान में भारत की भूमिका को आगे बढ़ाएगा और ब्रह्मांड की ऊर्जावान घटनाओं जैसे सुपरनोवा, ब्लैक होल और गामा-रे विस्फोटों को बेहतर ढंग से समझने के लिए उच्च-ऊर्जा गामा किरणों का अध्ययन करेगा।
  - यह लद्दाख के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान करते हुए वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देता है।
  - यह वैश्विक वेधशालाओं का पूरक होगा, बहु-संदेशवाहक खगोल विज्ञान में भारत के योगदान को आगे बढ़ाएगा और अंतरिक्ष अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करेगा।
  - यह परियोजना डॉ. होमी जे. भाभा की विरासत का अनुसरण करते हुए ब्रह्मांडीय-किरण अनुसंधान में भारत के अग्रणी प्रयासों का हिस्सा है, और भविष्य के खगोल भौतिकी अन्वेषणों के लिए एक प्रकाशस्तंभ के रूप में कार्य करेगी।

Source: PIB

हमसफर पॉलिसी

सन्दर्भ

- केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने 'हमसफर नीति' का शुभारंभ किया।

परिचय

- यह नीति राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को सुविधाजनक, सुरक्षित और आनंददायक अनुभव प्रदान करती है, साथ ही उद्यमियों को सशक्त बनाती है, रोजगार सृजित करती है तथा सेवा प्रदाताओं के लिए आजीविका बढ़ाती है।
- **मुख्य विशेषताएं:** राष्ट्रीय राजमार्गों पर निम्नलिखित आवश्यक सुविधाएँ शुरू की जाएंगी;
  - स्वच्छ और सुव्यवस्थित शौचालय;

- शिशु देखभाल और व्हीलचेयर प्रावधानों के लिए समर्पित कमरे,
- रणनीतिक बिंदुओं पर ईवी चार्जिंग स्टेशन,
- नियमित अंतराल पर रेस्तरां और फूड कोर्ट,
- अल्पकालिक आवास प्रदान करने के लिए ईंधन स्टेशनों पर शयनगृह।

Source: AIR

प्लांकटन ब्लूम

संदर्भ

- एक अध्ययन के अनुसार, 2020 में मेडागास्कर तट पर असामान्य प्लांकटन ब्लूम दक्षिणी अफ्रीका में सूखे के कारण हुआ था।

परिचय

- दक्षिणी अफ्रीका से उत्सर्जित धूल को मेडागास्कर के दक्षिण-पूर्व में पोषक तत्वों की कमी वाले सतही जल में ले जाया गया और जमा किया गया, जिससे पिछले दो दशकों में फाइटोप्लांकटन का सबसे मजबूत ब्लूम हुआ।
- प्लांकटन ब्लूम से तात्पर्य जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में प्लांकटन की जनसंख्या में अचानक वृद्धि से है - फाइटोप्लांकटन (सूक्ष्म पौधे) और जूप्लांकटन (सूक्ष्म जानवर) दोनों।
  - भौतिक परिस्थितियाँ और पोषक तत्व स्तर विशेष प्रकार के प्लांकटन की उच्च प्रचुरता का कारण बन सकते हैं।
  - ये प्लांकटन "ब्लूम" विश्व के महासागरों में सामान्य हैं। ब्लूम त्वरित घटनाएँ हो सकती हैं जो कुछ दिनों के भीतर शुरू और समाप्त हो जाती हैं या वे कई सप्ताह तक चल सकती हैं।
  - वे अपेक्षाकृत छोटे पैमाने पर हो सकते हैं या समुद्र की सतह के सैकड़ों वर्ग किलोमीटर को कवर कर सकते हैं।

Source: DTE

सिलिकोसिस

सन्दर्भ

- पन्ना के खनन समुदायों में एक पैटर्न उभर रहा है, जहां सिलिकोसिस का प्रायः निदान नहीं हो पाता और इसे टीबी समझ लिया जाता है।

सिलिकोसिस

- सिलिकोसिस एक फेफड़ों की बीमारी है जो महीन सिलिका धूल को सांस के साथ अंदर लेने से होती है, जो प्रायः खनन, निर्माण और पत्थर काटने जैसे उद्योगों में पाई जाती है।
- इससे फेफड़ों में सूजन और निशान पड़ जाते हैं, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है।
- इसके लक्षणों में खाँसी, साँस लेने में तकलीफ और सीने में दर्द शामिल हो सकते हैं, जो संपर्क के कई वर्षों बाद भी हो सकते हैं।
- **क्रोनिक सिलिकोसिस:** सिलिका धूल के कम स्तर के संपर्क में लंबे समय तक रहने के बाद विकसित होता है।
- **त्वरित सिलिकोसिस:** कम अवधि में अधिक स्तर के संपर्क में रहने से होता है।

- **तीव्र सिलिकोसिस:** थोड़े समय में अत्यधिक संपर्क में रहने से फेफड़ों को गंभीर क्षति पहुँचती है।
- सिलिकोसिस संक्रामक नहीं है क्योंकि यह वायरस या बैक्टीरिया के कारण नहीं होता है।
- सिलिकोसिस का कोई इलाज नहीं है क्योंकि फेफड़ों की क्षति को ठीक नहीं किया जा सकता है।

Source: DTE

70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

सन्दर्भ

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए।

परिचय

- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार हैं, जिनकी घोषणा देश भर में सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माण प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष की जाती है।
- इसका उद्देश्य सौंदर्य और तकनीकी उत्कृष्टता तथा सामाजिक प्रासंगिकता वाली फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहित करना है।
- पुरस्कार तीन वर्गों में दिए जाते हैं - फीचर, गैर-फीचर और सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन।

इतिहास

- ये पुरस्कार पहली बार 1954 में दिए गए थे और इन्हें 'राज्य पुरस्कार' के नाम से जाना जाता था।
    - उस समय, विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को ही मान्यता दी जाती थी और पुरस्कृत किया जाता था।
- 1967 की फिल्मों के लिए 1968 में कलाकारों और तकनीशियनों के लिए अलग-अलग पुरस्कार शुरू किए गए।
- नरगिस दत्त और उत्तम कुमार क्रमशः सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार पाने वाली पहली अभिनेत्री और अभिनेता थे।

पुरस्कार के प्रमुख प्राप्तकर्ता

- **सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म:** आट्टम (द प्ले)
- **सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म:** आयना (मिरर)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता:** ऋषभ शेट्टी (कंतारा)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री:** निथ्या मेनन (तिरुचित्रम्बलम) और मानसी पारेख (कच्छ एक्सप्रेस)
- दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को वर्ष 2022 के लिए दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

Source: TH

■■■■